प्री-पीएच.डी. हिंदी कोर्स वर्क

(W.E.F. सत्र : 2022-23)

पाठ्यक्रम

हिंदी विभाग

(कला अध्ययनशाला)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

प्री-पीएच.डी. हिंदी कोर्स वर्क

(W.E.F. सत्र : 2022-23)

<table>
<tr><th rowspan="2">S.N.</th><th rowspan="2">Course</th><th rowspan="2">Course Code</th><th rowspan="2">Course Name</th><th colspan="3">Periods</th><th colspan="3">Scheme</th><th rowspan="2">Credits</th></tr>
<tr><th>L</th><th>T</th><th>P</th><th>IA</th><th>ESE</th><th>Sub Total</th></tr>
<tr><td>1.</td><td>Core 1</td><td>1001</td><td>अनुसंधान की प्रविधि एवं प्रक्रिया</td><td>4</td><td>1</td><td>-</td><td>-</td><td>100</td><td>100</td><td>4</td></tr>
<tr><td>2.</td><td>Core 2</td><td>1002</td><td>इतिहास दर्शन और आधुनिक चिंतन</td><td>4</td><td>1</td><td>-</td><td>-</td><td>100</td><td>100</td><td>4</td></tr>
<tr><td rowspan="3">3.</td><td rowspan="3">Optional</td><td rowspan="3">1003</td><td>तुलनात्मक भारतीय साहित्य : भक्तिकाव्य</td><td rowspan="3">4</td><td rowspan="3">1</td><td rowspan="3">-</td><td rowspan="3">-</td><td rowspan="3">100</td><td rowspan="3">100</td><td rowspan="3">4</td></tr>
<tr><td>तुलनात्मक भारतीय साहित्य : उपन्यास</td></tr>
<tr><td>अस्मितामूलक साहित्य</td></tr>
<tr><td>4.</td><td>Seminar</td><td>1004</td><td>शोध आलेख और सेमिनार</td><td>-</td><td>-</td><td>-</td><td>-</td><td>100</td><td>100</td><td>Pass/Fail</td></tr>
<tr><td colspan="4">Grand Total</td><td>12</td><td>3</td><td>-</td><td>-</td><td>400</td><td>400</td><td>12</td></tr>
</table>

Total Credits : 12
Total Contact Hours : 15
Total Marks : 400

L: Lecture, T: Tutorial, P: Practical, IA: Internal Assessment, ESE: End Semester Exam
End Semester Exam: 100 Marks each will be conducted.

Note:

- पाठ्यक्रम 1003 के अंतर्गत विद्यार्थी किसी एक विकल्प का चयन करेगा।
- विश्वविद्यालय निर्देशों के अनुरूप प्री-पीएच.डी. कोर्स वर्क की परीक्षा होगी।

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

प्री-पीएच.डी. हिंदी कोर्स वर्क

(W.E.F. सत्र : 2022-23)

Programme Outcomes:

PO1	हिन्दी साहित्य के विविध क्षेत्रों एवं अन्य भारतीय भाषाओं के साहित्य के तुलनात्मक अध्ययन के साथ-साथ शोध के नवीन तथ्यों व प्रविधियों से विद्यार्थियों को परिचित कराने के उद्देश्य व विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशों के अनुरूप प्री पीएचडी कोर्स वर्क का पाठ्यक्रम निर्धारित किया गया है।
PO2	प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अंतर्गत शोध की अधुनातन तकनीकी प्रविधियों एवं विश्लेषण के नए मानदंडों को अपनाते हुए पाठ्यक्रम का स्वरूप निर्मित किया गया है।
PO3	शोधार्थियों को शोध संबंधी आधारभूत ज्ञान एवं उचित मार्गदर्शन मिल सके एवं विद्यार्थी अपने शोध में नवीन तकनीकों एवं प्रविधियों का लाभ उठा सकें।
PO4	समाजशास्त्र और इतिहास के प्रामाणिक अध्ययन के लिए वैज्ञानिक शोध आवश्यक है। इससे साहित्य के विकास गति और उसकी दिशा को समझने में मदद मिलेगी।

Programme Specific Outcomes:

PSO1	शोध के क्षेत्र में अनावश्यक विस्तार और निष्कर्षगत अराजकता से बचने के लिए शोध प्रविधियों का अध्ययन अनिवार्य है।
PSO2	शोध छात्रों को ज्यादा से ज्यादा वस्तुनिष्ठ और तर्क संगत होने के लिए प्रचलित शोध प्रविधियों का अध्ययन आवश्यक है।
PSO3	ज्ञान के अन्य अनुशासन में किस तरह की शोध प्रविधियां प्रचलित हैं, उनका आकलन करते हुए साहित्य के शोध-छात्र को उनकी संभावनाओं और सीमाओं का अध्ययन करने के बाद अपने शोध के लिए उपयुक्त शोध-प्रविधि का चयन आसान होगा।
PSO4	शोध-निष्कर्ष के सामयिक और दूरगामी महत्त्व को समझ सकने में आसानी होगी।

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

प्री-पीएच.डी. हिंदी कोर्स वर्क

(W.E.F. सत्र : 2022-23)

प्रश्न पत्र - अनुसंधान की प्रविधि एवं प्रक्रिया

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	Sub Total	
1001	अनुसंधान की प्रविधि एवं प्रक्रिया	3	1	-	4 Hours	-	100	100	4

Course Objective:

- अनुसंधान की समाजशास्त्रीय मूल्याँकन
- साहित्य और इतिहास का अंतरसंबंध और प्रक्रिया
- पाठालोचन की प्रक्रिया

Syllabus:

प्रथम इकाई -

शोध व्युत्पत्ति और अर्थ, आलोचना, अनुसंधान एवं शोध का अंतर, शोध का प्रयोजन, शोध के मूल तत्व, शोध और सर्जनात्मकता।

शोध के प्रकार : साहित्यिक शोध, पाठ संबंधी शोध वैज्ञानिक शोध, तुलनात्मक शोध, ऐतिहासिक शोध।

शोध की प्रक्रिया : विषय चयन, विषय की रूपरेखा, सामग्री संकलन, तथ्य संकलन।

शोध का व्यावहारिक पक्ष : अध्ययन क्षेत्र की सीमा, शोध प्रस्ताव, इंडेक्स कार्ड प्रणाली, आधारभूत सामग्री और सन्दर्भ-ग्रन्थ सूची, सामग्री संकलन की प्रक्रिया

द्वितीय इकाई -

पाठानुसंधान - आशय, स्वरूप और सीमा, पाठ निर्धारण एवं प्रक्रिया सामग्री संकलन के स्रोत, खोज, रिपोर्ट, कैटलाग्स, पुस्तकें, अनुसंधान, पाठानुसंधान और पाठालोचन में अंतर, पाठालोचन के मुख्य सिद्धांत।

तृतीय इकाई -

भाषानुसंधान - व्याकरण संबंधी अनुसंधान एवं शैली वैज्ञानिक अनुसंधान, लोक एवं लोक-साहित्य संबंधी अनुसंधान।

चतुर्थ इकाई -

तुलनात्मक अनुसंधान - अन्तःभाषा-अंतरभाषा, तुलनात्मक साहित्य के विभिन्न सिद्धांत, फ्रांसीसी अमेरिकी और जर्मन स्कूल, भारतीय सन्दर्भ में तुलनात्मक साहित्य अध्ययन के क्षेत्र और संभावनाएं, तुलनात्मक साहित्य में अनुवाद की भूमिका, साहित्य अनुसंधान में ऐतिहासिक एवं समाजशास्त्रीय प्रविधि का प्रयोग, हिन्दी साहित्य में शोध का इतिहास।

पंचम इकाई -

शोध एवं प्रकाशन संबंधी नैतिकता : विषय का सामयिक महत्त्व, शोध विषय की मौलिकता, सन्दर्भ एवं उद्धरणों का महत्त्व, प्रकाशन की मौलिकता, शोध-प्रविधि में मौलिकता का महत्त्व।

सहायक ग्रन्थ :

- डॉ. विनय मोहन शर्मा, शोध प्रविधि, मयूर बुक्स, दिल्ली
- एस. एन. गणेशन, अनुसंधान प्रविधि : सिद्धान्त और प्रक्रिया, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- डॉ. नगेन्द्र, अनुसंधान और आलोचना, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
- डॉ. विजयपाल सिंह, हिंदी अनुसंधान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- डॉ. सावित्री सिन्हा, अनुसंधान की प्रक्रिया, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
- डॉ. कन्हैया सिंह, हिन्दी पाठानुसंधान, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- इन्द्रनाथ चौधरी, तुलनात्मक साहित्य : भारतीय परिप्रेक्ष्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

Course Learning Outcomes:

इस पाठ्यक्रम में शोध के विभिन्न प्रणालियों, शोध विषय चयन, शोध की उपयोगिता के साथ-साथ साहित्य में अनुसंधान में आने वालीसमस्याओं का अध्ययन किया जाएगा।

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

प्री-पीएच.डी. हिंदी कोर्स वर्क

(W.E.F. सत्र : 2022-23)

प्रश्न-पत्र - इतिहास दर्शन और आधुनिक चिंतन

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	Sub Total	
1002	इतिहास दर्शन और आधुनिक चिंतन	3	1	-	4 Hours	-	100	100	4

Course Objective:

- इतिहास बोध और संस्कृतिकरण की समझ एवं परम्परा का अध्ययन
- समकालीन समाज का अध्ययन
- भारतीय समाज की सामाजिक समस्याओं का अध्ययन
- सामाजिक यथार्थ की कलात्मक अभिव्यक्ति

Syllabus:

प्रथम इकाई -

इतिहास दृष्टि और साहित्येतिहास लेखन पद्धति, इतिहास दर्शन और साहित्यिक इतिहास, साहित्येतिहास के प्रमुख सिद्धांत- विधेयवाद, मार्क्सवाद और संरचनावाद, हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की समस्या

द्वितीय इकाई -

काल विभाजन का आधार, साहित्यिक प्रवृत्तियों का अन्तः सम्बन्ध, इतिहास और आलोचना, नव्य इतिहासवाद, साहित्येतिहास का नारीवादी परिप्रेक्ष्य। पुनर्जागरण, पुनरुत्थान और हिन्दी नवजागरण, आधुनिक बोध और औद्योगिक संस्कृति, साहित्य का समाजशास्त्र।

तृतीय इकाई -

साम्राज्यवाद और उपनिवेशवाद, मार्क्सवाद एवं नवमार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद : फ्रायड, एडलर, युंग।

चतुर्थ इकाई -

गांधीवाद, अस्तित्ववाद, रूपवाद, संरचनावाद, उत्तर-संरचनावाद एवं उत्तर आधुनिकतावाद प्राच्यवाद, राष्ट्रवाद, नवउपनिवेशवाद, भूमंडलीकरण, दलित एवं स्त्री अस्मिता, लोकप्रिय साहित्य का समाजशास्त्र एवं जनसंचार के साधन।

सहायक ग्रंथ -

- मैनेजर पाण्डेय, साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- निरमाला जैन, साहित्य का समाजशास्त्रीय चिंतन, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- ज्यां पाल सार्त्र, अस्तित्ववाद और मानववाद, प्रकाशन संस्थान
- शिवकुमार मिश्र, मार्क्सवादी साहित्य चिंतन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- राहुल सांकृत्यायन, वैज्ञानिक भौतिकवाद, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- राजेश्वर सक्सेना, वित्तीय पूँजी और उत्तर-आधुनिकता, नयी किताब प्रकाशन, नई दिल्ली
- एस.एल. दोषी, आधुनिकता, उत्तर-आधुनिकता और नव-समाजशास्त्रीय सिद्धांत, रावत प्रकाशन, जयपुर
- कुँवरपाल सिंह, मार्क्सवादी सौंदर्यशास्त्र और हिन्दी उपन्यास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- सीमोन द बोउवा, स्त्री-उपेक्षिता, अनुवाद प्रभा खेतान, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- नलिन विलोचन शर्मा, साहित्य का इतिहास दर्शन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

Course Learning Outcomes:

इस पाठ्यक्रम में साहित्य के इतिहास की अवधारणा, स्वरूप, दर्शन एवं उसके औचित्य, विभिन्न दृष्टियों, साहित्य के इतिहास लेखन की मूल समस्याएँ और उनके पुनर्विचार संबंधी अध्ययन अपेक्षित होगा।

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
प्री-पीएच.डी. हिंदी कोर्स वर्क
(W.E.F. सत्र : 2022-23)
प्रश्नपत्र : तुलनात्मक भारतीय साहित्य : भक्तिकाव्य (वैकल्पिक)

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	Sub Total	
1003	तुलनात्मक भारतीय साहित्य : भक्तिकाव्य	3	1	-	4 Hours	-	100	100	4

Course Objective:

- लोकजागरण का अध्ययन।
- राजतंत्र की जगह ईश्वर की प्रतिष्ठा।
- भक्तिकालीन सामाजिक, राजनीतिक एवं सांकृतिक परिस्थितियों का अध्ययन।
- मनुष्य सत्य की स्थापना।

Syllabus:

प्रथम इकाई -

भक्ति का स्वरूप, भगवद्गीता का भक्तियोग, शांडिल्य एवं नारद के भक्ति सूत्र, भागवत में भक्ति का स्वरूप, भक्ति आन्दोलन के उदय की ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक एवं दार्शनिक पृष्ठभूमि, भक्ति आन्दोलन का अखिल भारतीय स्वरूप, भक्ति द्राविडी उपजी के वैचारिक आधार, तमिल के अलवार और नायनार संत।

द्वितीय इकाई -

रामानुजाचार्य और भक्ति दर्शन, प्रमुख वैष्णव आचार्यों के भक्ति सम्प्रदाय और दार्शनिक विचार, वीर शैव सम्प्रदाय, महाराष्ट्र के महानुभाव और वारकरी सम्प्रदाय, कबीर, नानक और उत्तर भारत में निर्गुण भक्ति की परंपरा।

तृतीय इकाई -

बंगाल का गौड़ीय, वैष्णव सम्प्रदाय एवं प्रमुख कवि, भक्ति आन्दोलन और शंकरदेव, भक्ति की गुजराती एवं उड़िया परंपरा, कश्मीरी भक्ति काव्य।

चतुर्थ इकाई -

भक्ति की ज्ञान मीमांसा, भक्तिकाव्य में रहस्यवाद का सामाजिक पहलू भक्ति और स्त्री, भक्तिकाव्य में निहित विचारधाराएँ, भक्तिकाव्य में सामाजिक विद्रोह।

सहायक ग्रंथ -

- हजारी प्रसाद द्विवेदी, मध्यकालीन धर्म साधना, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- हजारी प्रसाद द्विवेदी, हिंदी साहित्य की भूमिका, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- हरि रामचंद्र दिवेकर, संत तुकाराम, हिंदुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद
- परशुराम चतुर्वेदी, उत्तरी भारत की संत परम्परा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- त्रिलोकी नारायण दीक्षित, हिन्दी संत साहित्य, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- नामवर सिंह, दूसरी परम्परा की खोज, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- भालचंद्र नेमाडे, तुकाराम, साकेत प्रकाशन, संभाजीनगर, महाराष्ट्र
- सुकार सेन, चंडीदास, साकेत प्रकाशन, संभाजीनगर, महाराष्ट्र
- विश्वनाथ काशीनाथ राजवाड़े, राम दास, साकेत प्रकाशन, संभाजीनगर, महाराष्ट्र

Course Learning Outcomes:

इस पाठ्यक्रम में विभिन्न भारतीय भाषाओं एवं विदेशी भाषाओं के साहित्य के तुलनात्मक अध्ययन के साथ-साथ तुलनात्मक साहित्य की अवधारणा, समस्याओं एवं उसके विभिन्न परिप्रेक्ष्यों का अध्ययन अपेक्षित होगा।

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

प्री-पीएच.डी. हिंदी कोर्स वर्क

(W.E.F. सत्र : 2022-23)

प्रश्न-पत्र- तुलनात्मक भारतीय साहित्य : उपन्यास (वैकल्पिक)

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	Sub Total	
1003	तुलनात्मक भारतीय साहित्य : उपन्यास	3	1	-	4 Hours	-	100	100	4

Course Objective:

- मध्यवर्गीय समाज की अवधारणा का अध्ययन
- अजनबीपन, कुंठा, एकाकीपन के सामाजिक प्रभाव का अध्ययन
- पारिवारिक विघटन और सामाजिक यथार्थ की पहचान करना
- वैयक्तिक अभिव्यक्ति एवं सामाजिक मूल्यों कासाहित्यिक अध्ययन

Syllabus:

प्रथम इकाई -

भारतीय भाषाओं में उपन्यास के उदय की सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, प्राचीन गद्य विधाएँ एवं उपन्यास का सम्बन्ध, भारतीय भाषाओं में प्रकाशित प्रथम उपन्यास, उन्नीसवीं शताब्दी के भारतीय उपन्यासों की प्रमुख प्रवृत्तियां-सुधारवादी आख्यान, रम्य आख्यान, अद्भुत कथा, ऐतिहासिक उपन्यास, दास्तान और किस्सा।

द्वितीय इकाई -

यथार्थवाद का आरम्भ, बंकिमचंद्र चटर्जी और फकीरमोहन सेनापति। बीसवीं शताब्दी का पूर्वार्द्ध और भारतीय उपन्यास की विशिष्ट पहचान, स्वाधीनता संग्राम की भूमिका, प्रेमचंद और भारतीय किसान, शरतचंद्र और भारतीय नारी की पीड़ा।

तृतीय इकाई -

भारतीय उपन्यास में नए यथार्थवाद का उदय, आंचलिक जीवन के उपन्यास, मनोविश्लेषणवादी उपन्यास और राजनीति, मध्यवर्ग और उपन्यास, देश-विभाजन के उपन्यास, दलित उपन्यास।

चतुर्थ इकाई

पाठ -

पदमा नदी का मांझी	: मानिक बंदोपाध्याय
मछुआरे	: तकषी शिवशंकर पिल्लै
अमृत सन्तान	: गोपीनाथ महान्ती
गुजरात के नाथ	: कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी
संस्कार	: यू. आर. अनंतमूर्ति
कोसला	: भालचंद्र नेमाडे
आग का दरिया	: कुर्रतुल एन. हैदर
मढ़ी का दिवा	: गुरदयाल सिंह

सहायक ग्रन्थ :

- डॉ. सत्येंद्र, बांग्ला साहित्य का इतिहास, प्रकाशन शाखा, उत्तर प्रदेश सरकार
- एम. ए. करीम, प्रेमचंद और तकषी के उपन्यासों का तुलनात्मक अध्ययन, अमन प्रकाशन, कानपुर
- रमेश कुंतल मेघ, मध्यकालीन रसदर्शन और समकालीन सौन्दर्यबोध, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
- इन्द्रनाथ मदान, आधुनिकता और हिन्दी उपन्यास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- रामदरश मिश्र, हिंदी उपन्यास : एक अंतरयात्रा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- डॉ. चंडीप्रसाद जोशी, हिन्दी उपन्यास समाजशास्त्रीय अध्ययन, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

Course Learning Outcomes:

इस पाठ्यक्रम में विभिन्न भारतीय भाषाओं, साहित्य एवं विदेशी भाषाओं के साहित्य के तुलनात्मक अध्ययन के साथ-साथ तुलनात्मक साहित्य की अवधारणा, स्वरूप, समस्याओं एवं उनके विभिन्न परिप्रेक्ष्यों/दृष्टियों का अध्ययन अपेक्षित होगा।

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
प्री-पीएच.डी. हिंदी कोर्स वर्क
(W.E.F. सत्र : 2022-23)
प्रश्न-पत्र - अस्मितामूलक साहित्य (वैकल्पिक)

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	Sub Total	
1003	अस्मितामूलक साहित्य	3	1	-	4 Hours	-	100	100	4

Course Objective:

- उत्तर आधुनिकता की साहित्यिक पृष्ठभूमि
- वंचित समुदाय की वापसी
- स्वानुभूतजन्य यथार्थ

प्रथम इकाई -

भारत की सामाजिक व्यवस्था का प्राचीन स्वरूप और दलित चेतना : आशय एवं वैशिष्ट्य, ऐतिहासिक परिचय दलित समस्या : कारण और समाधन। वैदिक, उत्तरवैदिक सामाजिक-सांस्कृतिक आन्दोलन और दलित चेतना।

द्वितीय इकाई :

भारतीय भाषाओं के दलित साहित्यकार हिन्दी साहित्य में दलित जीवन और दलित चेतना।

तृतीय इकाई :

प्राचीन भारतीय सामाजिक व्यवस्था और स्त्री-आंदोलन का ऐतिहासिक अध्ययन, धर्म और स्त्री आंदोलन का भारतीय स्वरूप, पश्चिम का नारीवादी आंदोलन।

चतुर्थ इकाई :

भारतीय नारीवादी आंदोलन पर पश्चिम का प्रभाव। नारीवाद के पाश्चात्य एवं भारतीय सिद्धान्तकार। हिन्दी में स्त्रीवादी लेखन के विविध स्वर।

सहायक ग्रंथ :

- सिमोन द बोउवा, स्त्री उपेक्षिता, अनुवाद प्रभा खेतान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

- अभय कुमार दूबे, आधुनिकता के आईने में दलित, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रभा खेतान, उपनिवेश में स्त्री, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- जॉन स्टुअर्ट मिल, स्त्री पराधीनता, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- तेज सिंह, दलित साहित्य की समस्याएँ, आधार प्रकाशन, हरियाणा
- मृणाल पाण्डेय, परिधि पर स्त्री, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- अनामिका, स्त्रीत्व का मानचित्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- जर्मन ग्रियर, बधिया स्त्री, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- ओमप्रकाश वाल्मीकि, दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- मैनेजर पाण्डेय, साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- सच्चिदानंद सिन्हा, जाति व्यवस्था, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- सरला माहेश्वरी, नारी प्रश्न, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
- डॉ. के. एम. मालती, स्त्री विमर्श भारतीय परिप्रेक्ष्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रभा खेतान, बाजार के बीच : बाजार के खिलाफ, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- सं. श्योराज सिंह बैचेन, सामाजिक न्याय और दलित साहित्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

Course Learning Outcomes:

इनमें विभिन्न विमर्शों को केन्द्रित अस्मिताओं की अवधारणाओं, विकास, आंदोलन, सिद्धान्त और प्रमुख सिद्धांतकारों का अध्ययन किया जाएगा व उनसे जुड़ी सांस्कृतिक पहचानएवं प्रतिमान को रेखांकित किया जाएगा।

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

हिंदी विभाग

(कला अध्ययनशाला)

क्रमांक/Q/हिंदी/BOS/2023 बिलासपुर, दिनांक : 28/04/2023

अध्ययन मण्डल (BOS) की बैठक का कार्यवृत्त

- दिनांक 28 अप्रैल, 2023 को हिंदी विभाग में गूगल मीट पर ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से बैठक आयोजित की गई।
- बैठक में अध्ययनमंडल समिति के समस्त सदस्यगण ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से उपस्थित रहे।
- बैठक में प्रस्तावित प्री-पीएच.डी. पाठ्यक्रम पर चर्चा की गई और इसे यूजीसी रेगुलेशन 2018 के तहत लागू करने की अनुशंसा की गई।

बैठक में उपस्थित सदस्यों के हस्ताक्षर

क्र.	अध्ययन मंडल के सदस्यगण	पदनाम	हस्ताक्षर
1.	डॉ. गौरी त्रिपाठी - सह प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग)	अध्यक्ष	(हस्ताक्षर)
2.	प्रो. योगेन्द्र प्रताप सिंह – आचार्य हिंदी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज (उ.प्र.) (माननीय कुलपतिजी द्वारा नामित वाह्य विषय विशेषज्ञ)	सदस्य	ऑनलाइन उपस्थिति के साथ अनुमोदित
3.	डॉ. रमेश कुमार गोहे - सहायक प्राध्यापक हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	सदस्य	(हस्ताक्षर)

Gmail

singhypdr@gmail.com

Compose

Inbox 82
Starred
Snoozed
Important
Chats
Sent
Scheduled
Drafts 10
Less
All Mail
Spam
Trash
Categories
Social
Updates 25
Forums
Promotions 33
Manage labels
Create new label

Labels

स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. (हिंदी) पाठ्यक्रम के संबंध में अध्ययनमंडल (BOS) की बैठक हेतु।

Inbox

Hod Hindi <hodhindiggv@gmail.com>
to singhypdr

सम्माननीय महोदय,
सादर अभिवादन !

स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. (हिंदी) पाठ्यक्रम के अनुमोदन हेतु ऑनलाइन अध्ययनमंडल (BOS) की बैठक होनी है। जिसमें आपकी उपस्थिति विश्वविद्यालय द्वारा नामित वाह्य विषय विशेषज्ञ के तौर पर दिनांक 28-04-2023 को दोपहर 01:00 बजे प्रार्थित है। यूजीसी द्वारा निर्धारित मानदेय आपको प्रदान किया जाएगा । इस सन्दर्भ में आपके अवलोकनार्थ स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. पाठ्यक्रम संलग्न है।

गूगल मीट पर जुड़ने के लिए लिंक : https://meet.google.com/usb-drax-ekb

Thanks & Regards

डॉ. गौरी त्रिपाठी
अध्यक्ष, हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
पिनकोड – 495009

3 Attachments • Scanned by Gmail

Ph-D. Course Wor...
UG Hindi Honours...
PG-Hindi- Syllab...

Hod Hindi <hodhindiggv@gmail.com>
to ramesh

Thanks & Regards

डॉ. गौरी त्रिपाठी
अध्यक्ष, हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
पिनकोड – 495009

...

3 Attachments • Scanned by Gmail

Ph-D. Course Wor...
UG Hindi Honours...
PG-Hindi- Syllab...

प्रोफे. योगेंद्र प्रताप सिंह <singhypdr@gmail.com>
to me

Hindi > English Translate message

आंशिक संशोधन सहित संस्तुत

...

--
प्रोफ़ेसर योगेन्द्र प्रताप सिंह
हिंदी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभाग
इलाहाबाद विश्वविद्यालय
प्रयागराज 211002

Reply Forward